

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, चर्च और अंतिम चीजें, सत्र 12, मृत्यु और मध्यवर्ती अवस्था

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च और अंतिम चीजों के सिद्धांतों पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 12 है, मृत्यु और मध्यवर्ती अवस्था।

हम अंतिम चीजों के बारे में अपना अध्ययन जारी रखते हैं। हमने दो युगों, वर्तमान युग और आने वाले युग, अपने तीन आयामों में ईश्वर के नए नियम के राज्य, यीशु की सांसारिक सेवकाई में इसके उद्घाटन, ईश्वर के दाहिने हाथ पर उनके शासनकाल में इसके विस्तार और भविष्य में इसकी परिणति के बारे में सोचकर युगांतशास्त्र का परिचय दिया। फिर, अंतिम चीजों के लिए नए नियम के अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण एकल योगदान, शायद पूरी 20वीं सदी में, पहले से ही और अभी तक नहीं है। मेरे व्यंग्य को क्षमा करें, लेकिन पहले से ही, प्रिंसटन बाइबिल धर्मशास्त्री गेरहार्डस वोस के पास ये सिद्धांत थे, हालांकि इसके आविष्कार का श्रेय उनके लेखन में ऑस्कर कुलमैन को दिया जाता है।

और वास्तव में, उसके पास यह था, लेकिन प्रिंसटनियन से पहले नहीं, वोस से पहले नहीं। अगला, मृत्यु और मध्यवर्ती अवस्था। शास्त्र के अनुसार, मृत्यु प्राकृतिक नहीं बल्कि अप्राकृतिक है।

1 कुरिन्थियों 15:26 के अनुसार, हम पढ़ते हैं कि नष्ट किया जाने वाला अंतिम शत्रु मृत्यु है। मृत्यु हमारी शत्रु है। शत्रु।

प्रकाशितवाक्य 14:13, नरक और दुष्टों से निपटने वाले एक अंश के संदर्भ में, जब वे उस स्थिति में होते हैं, जब वे उस स्थान और स्थिति में होते हैं, प्रकाशितवाक्य 14:13, और मैंने स्वर्ग से एक आवाज़ सुनी, जो कह रही थी, यह लिखो, धन्य हैं मरे हुए। अब, यह एक अजीब कथन है। वास्तव में मरे हुए लोग खुश हैं।

क्या तुम मज़ाक कर रहे हो? तुम्हें पढ़ते रहना चाहिए। धन्य हैं वे मरे हुए जो मर जाते हैं। धन्य हैं वे मरे हुए जो मर जाते हैं।

यह वही बात है। नहीं, ऐसा नहीं है। धन्य हैं वे मृतक जो अब से प्रभु में मरते हैं।

मसीह के साथ एकता मृत्यु पर समाप्त नहीं होती। विश्वासी प्रभु में मरते हैं। मसीह के साथ एकता अटूट है, और उसके साथ हमारी एकता अविभाज्य है, और यह इस जीवन से आगे अगले जीवन तक फैली हुई है।

धन्य है आत्मा, ताकि वे अपने कामों से विश्राम पा सकें क्योंकि उनके कर्म उनके पीछे चलते हैं। दुष्टों को न तो दिन में न रात नरक में आराम मिलता है, बल्कि वे जो शराब पीते हैं, उसके कारण हमेशा-हमेशा के लिए पीड़ा का अनुभव करते हैं; वे परमेश्वर के क्रोध की शराब का अनुभव करते

हैं जो उसके क्रोध के प्याले में पूरी ताकत से डाली जाती है और हमेशा-हमेशा के लिए दिन-रात पीड़ा में रहेंगे। इसके विपरीत, धर्मी लोगों को हमेशा के लिए आराम मिलेगा।

धर्मी लोग, मृत्यु में भी, मसीह के साथ एकता के कारण अंतिम शत्रु पर विजय प्राप्त करते हैं, क्योंकि वे प्रभु में मरते हैं। यह पहले से ही विजय प्राप्त करना है। अभी तक विजय प्राप्त न किया जाना, निश्चित रूप से शरीर के पुनरुत्थान में है।

शास्त्र के अनुसार, मृत्यु प्राकृतिक नहीं बल्कि अप्राकृतिक है। यह अंतिम शत्रु है। 1 कुरिन्थियों 15:26.

हालाँकि अभी भी, विश्वासी प्रभु में मरते हैं और वास्तव में खुश हैं। मृत्यु और मृत्यु का भय पाप का परिणाम है। उत्पत्ति 2:17 पाप के दंड के बारे में चेतावनी देता है।

उत्पत्ति 2:17. प्रभु ने आदम से कहा कि तुम्हारा वृक्ष निश्चित रूप से वाटिका के सभी वृक्षों के सन्दर्भ में खा सकता है। पूर्ण पुष्टि, सभी सकारात्मकताएँ, एक निषेध।

तुम वाटिका के सब वृक्षों का फल खा सकते हो, परन्तु भले और बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है, उसका फल तुम कभी न खाना, क्योंकि जिस दिन तुम उसका फल खाओगे उसी दिन अवश्य मर जाओगे। उत्पत्ति 2:17 पाप की सज़ा के बारे में चेतावनी देता है। मृत्यु।

उत्पत्ति 3:19 में मृत्युदंड की घोषणा की गई है। आदम और हव्वा मूर्खतापूर्वक परमेश्वर से छिपते हैं, जो उन्हें खोजता है। यह बहुत बड़ी बात है।

वह उन्हें खोजता है। उसने कहा कि वह मनुष्य से कहता है उत्पत्ति 3:19 अपने माथे के पसीने की रोटी खाएगा, और अन्त में मिट्टी में मिल जाएगा, क्योंकि उसी से तू निकाला गया है, क्योंकि तू मिट्टी है। और मिट्टी में ही फिर मिल जाएगा।

यही चेतावनी है, क्षमा करें, आदम और हव्वा पर मृत्युदंड की घोषणा। उत्पत्ति 3:8 में मृत्युदंड का निष्पादन दिया गया है। और उन्होंने दिन के ठंडे समय बगीचे में टहलते हुए प्रभु परमेश्वर की आवाज़ सुनी। और आदमी और उसकी पत्नी ने खुद को प्रभु की उपस्थिति से छिपा लिया।

तुरन्त ही वे आध्यात्मिक रूप से मर गए, और वे परमेश्वर से छिप गए। समय के साथ, क्योंकि परमेश्वर चाहता था कि वे पृथ्वी, जाति का प्रचार करें। समय के साथ, वे शारीरिक रूप से मर गए, तुरन्त आध्यात्मिक मृत्यु।

हम सोचते हैं कि तब क्षमा और आध्यात्मिक जीवन पहले से ही परमेश्वर के साथ उनके टकराव और एक उद्धारक के वादे में मौजूद हैं। उत्पत्ति 5:5. इस प्रकार, आदम के जीवन के कुल दिन 930 वर्ष थे। और वह मर गया।

उत्पत्ति 17 में परमेश्वर ने पाप की सज़ा, मृत्यु के बारे में चेतावनी दी है। उत्पत्ति 3:19 में परमेश्वर ने आदम और हव्वा को मृत्युदंड की घोषणा की। सज़ा का निष्पादन 38 में हुआ।

हम दोनों ही अपने पहले माता-पिता हैं जिन्हें परमेश्वर से छिपाया गया है। मेरा मानना है कि हव्वा की मृत्यु का विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया है। लेकिन एडम्स की शारीरिक मृत्यु उत्पत्ति 5:5 में वर्णित है।

मृत्यु और मृत्यु का भय पाप का परिणाम है। मृत्यु का भय पाप का परिणाम है। इब्रानियों 2:15.

वास्तव में, मैं 1 यूहन्ना 4 पर जाना चाहूँगा। क्योंकि इब्रानियों में तब समाधान दिया गया है। 1 यूहन्ना 4 में 4:18 लिखा है।

1 यूहन्ना 4:18. प्रेम में भय नहीं होता, परमेश्वर के प्रेम में भय नहीं होता। वरन् सिद्ध प्रेम भय को दूर कर देता है।

क्योंकि भय का सम्बन्ध दण्ड से है। और जो भय करता है, वह प्रेम में सिद्ध नहीं हुआ। प्रेम इसी से सिद्ध होता है, कि हमें न्याय के दिन हियाव हो।

क्योंकि जैसे वह है, वैसे ही हम भी दुनिया में हैं। ईसाइयों के लिए अपनी नश्वरता के बारे में बेचैन होना पूरी तरह से उचित है। हमें सुपर आध्यात्मिक प्राणी होने का दिखावा करने की ज़रूरत नहीं है।

हम नहीं हैं। कौन अपने परिवार, अपने दोस्तों, अपने चर्च परिवार, शायद अपनी नौकरी या अन्य चीजों को छोड़कर मरना चाहता है, जो आपको पसंद हैं, अपने शौक, या अपना जीवन? बेशक, हम मसीह के साथ रहना चाहते हैं।

फिलिप्पियों के अध्याय 1 में पौलुस ने इसे और भी बेहतर तरीके से कहा है। लेकिन अपनी नश्वरता और मृत्यु के बारे में बेचैन होना स्वाभाविक है। यह कौन सा डर है जिसे पूर्ण प्रेम दूर भगा देता है? यह सज़ा का डर है। यह न्याय का डर है।

हमें इससे डरने की ज़रूरत नहीं है। क्योंकि परमेश्वर अपने बेटे में हमसे प्यार करता है, और उसने मौत के डर को दूर कर दिया है, जिसमें सज़ा शामिल है। इब्रानियों 2:14 और 15 में आगे बताया गया है।

इसलिए, यशायाह से पहले दो आयतों के संदर्भ में, बच्चों का मतलब कुछ ऐसा है जैसे चुने हुए, कुछ ऐसा, मांस और खून में हिस्सा लेना, यीशु ने भी उसी तरह से उन चीजों में हिस्सा लिया जो बेटे ने की थी, मांस और खून, ताकि मृत्यु के माध्यम से वह उस व्यक्ति को नष्ट कर सके जिसके पास मृत्यु की शक्ति है, यानी शैतान, और उन सभी को मुक्ति दिला सके जो मृत्यु के भय से आजीवन गुलामी के अधीन थे। मनुष्य मृत्यु से डरते हैं, और मैं केवल नश्वरता के बारे में बात नहीं कर रहा हूँ। वे अपने दिल की गहराई में भगवान से मिलने से डरते हैं।

वे ईश्वर के न्याय से डरते हैं। वास्तव में, यदि वे ऐसा करते हैं, तो यह अच्छी बात है क्योंकि यह उन्हें सुसमाचार की ओर ले जा सकता है। लेकिन मसीह आए और मानवता में शामिल हुए।

वह ग्रीक भाषा में शाब्दिक रूप से रक्त और मांस साझा करके एक प्रतिनिधि बन गया, हालाँकि आप उस तरह से रिसेप्टर भाषा में अनुवाद नहीं कर सकते, जिसमें रक्त और मांस नहीं कहा जाता है। यह मांस और रक्त कहता है, इसलिए यह ऐसा ही है। इसलिए, चूँकि बच्चे मांस और रक्त में हिस्सा लेते हैं, इसलिए उसने खुद भी उन्हीं चीज़ों, मांस और रक्त का हिस्सा लिया।

क्यों? तो, वह मर सकता था और, मृत्यु के माध्यम से, इस मार्ग में दो काम कर सकता था: शैतान को नष्ट करना और परमेश्वर के लोगों को मुक्ति दिलाना। यीशु हमें उसकी कृपा और उस पर हमारे विश्वास के कारण मृत्यु के न्याय और मृत्यु की सजा के डर पर विजय पाने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, मृत्यु आध्यात्मिक और शारीरिक दोनों है।

इफिसियन 2:1 से 3: मुझे लगता है कि यह हमारे तीन शत्रुओं से निपटने का सबसे बड़ा मार्ग है: संसार, शरीर और शैतान। तुम उन अपराधों और पापों में मरे हुए थे जिनमें तुम एक बार इस संसार के मार्ग पर चलते थे, हवा की शक्ति के राजकुमार का अनुसरण करते थे, वह आत्मा जो अब अवज्ञा के पुत्रों में काम कर रही है, जिनके बीच हम सभी एक बार अपने शरीर की वासनाओं में जीते थे, शरीर और मन की इच्छाओं को पूरा करते थे और बाकी मनुष्यों की तरह स्वभाव से क्रोध के बच्चे थे। खैर, इस पत्र के प्राप्तकर्ता, चाहे वह एक परिपत्र पत्र था जो इफिसुस और अन्य शहरों में आया था या सिर्फ इफिसुस में, चाहे जो भी हो, विश्वासी बहुत जीवित थे।

वह कैसे कह सकता है कि तुम उन अपराधों और पापों में मरे हुए थे जिनमें तुम एक बार चले थे? वह इसे फिर से पद 5 में कहता है: जब हम अपने अपराधों में मरे हुए थे, तो उसका मतलब है कि वे आध्यात्मिक रूप से मरे हुए थे। वे परमेश्वर के जीवन से रहित थे। उनके नश्वर शरीर में अनन्त जीवन नहीं था।

अब उनसे उनकी पिछली स्थिति के बारे में बात कर रहा है। जैसा कि हमने यूहन्ना 5:24 से 29 में देखा, मृत्यु आध्यात्मिक और शारीरिक दोनों है। जो लोग यीशु के शब्दों को सुनते हैं और उसे भेजने वाले पर विश्वास करते हैं, वे पहले से ही जानते हैं कि यीशु पिता को प्रकट करने वाला कितना बड़ा है।

यदि आप यीशु के वचन को सुनते हैं और उस पर विश्वास करते हैं, तो आप पिता पर विश्वास करते हैं। यीशु कहते हैं कि वे मृत्यु से जीवन की ओर बढ़ते हैं। वे अब आध्यात्मिक रूप से जी उठे हैं, लेकिन यह प्रतीक्षा करेगा। यह अंतिम दिन की प्रतीक्षा करता है, जब मनुष्य के पुत्र की आवाज़ पर, जो लोग अपनी कब्रों में हैं वे जीवन के पुनरुत्थान के लिए बाहर आएँगे, जिन्होंने बुराई की है वे न्याय के पुनरुत्थान के लिए।

मृत्यु और मृत्यु का भय पाप का परिणाम है। मृत्यु आध्यात्मिक और शारीरिक दोनों है। एक अच्छा तार्किक कदम मध्यवर्ती अवस्था के बारे में बात करना है।

धर्मग्रंथ तीन अवस्थाओं के बारे में बताते हैं। शरीर में जीवन की वर्तमान अवस्था, मध्यवर्ती या अंतरिम अवस्था, जब हम अपने शरीर से अप्राकृतिक रूप से अलग हो जाते हैं, और शाश्वत अवस्था या अंतिम अवस्था। वर्तमान अवस्था, मध्यवर्ती अवस्था, अंतिम अवस्था।

वर्तमान अवस्था, अंतरिम अवस्था, शाश्वत अवस्था। इस तरह। हम वर्तमान अवस्था, मध्यवर्ती अवस्था, यानी विश्वासियों और अविश्वासियों के बारे में बात करना चाहते हैं।

उत्तरार्द्ध के बारे में, पवित्रशास्त्र बहुत कम कहता है। मैं एक, शायद दो अंश गिनता हूँ। जब बाइबल नरक के बारे में बात करती है, तो यह लगभग हमेशा खोए हुए लोगों के लिए अंतिम स्थिति होती है।

लेकिन चलिए हम खुशहाल शिक्षाओं से शुरुआत करते हैं, और वह है वर्तमान अवस्था, मेरा मतलब है, विश्वासियों की मध्यवर्ती अवस्था। लूका 23:43. हाँ, हाँ।

यह सुसमाचार प्रचार के लिए एक असामान्य स्थान है, लेकिन... क्रूस पर, यीशु अपने साथियों में से एक को क्रूस पर चढ़ाते हैं और दूसरे को विश्वास की ओर ले जाते हैं। लूका 23, 39. जो अपराधी फाँसी पर लटकाए गए थे, उनमें से एक ने उस पर निन्दा करते हुए कहा, "क्या तू मसीह नहीं है? अपने आप को और हमें बचा।"

लेकिन दूसरे ने उसे डाँटकर कहा, "क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता, क्योंकि तू भी उसी दण्ड के अधीन है? और हम भी न्याय के अनुसार दण्ड पा रहे हैं, क्योंकि हम अपने कामों का फल पा रहे हैं। लेकिन इस आदमी ने कोई गलत काम नहीं किया है। उसने कहा, "हे यीशु, जब तू अपने राज्य में आए, तो मुझे याद रखना।"

वह राज्य का अंतिम चरण होगा। राज्य अपनी पूर्णता में पूरा हो गया। और उसने उससे कहा, मैं तुझसे सच कहता हूँ, आज तू मेरे साथ स्वर्ग में होगा।

कुछ लोग भजन 90 और फिर 2 पतरस 3 का हवाला देकर इस बात से बचने की कोशिश करते हैं। ओह, प्रभु के साथ एक दिन एक हजार साल के बराबर है। नहीं, ऐसा नहीं हो रहा है, जैसा कि हॉवर्ड मार्शल ने अपनी ल्यूक कमेंट्री में दिखाया है। नहीं, यीशु इस दिन के बारे में बात कर रहे हैं। जब तक उनके शरीर क्रूस पर रहेंगे, उनका अमूर्त हिस्सा प्रभु के पास चला जाएगा।

अब यहाँ, स्वर्ग। एक और अंतर-नियमन तरीका, और इस बार शब्द के बारे में बात कर रहे हैं, आनंद के बारे में बात कर रहे हैं। मध्यवर्ती स्वर्ग।

आज, तुम मेरे साथ स्वर्ग में होगे। क्या बाइबल हमारी आत्माओं के बारे में नहीं कहती कि वे प्रभु के साथ होंगी? कभी-कभी। हमारी आत्माएँ? हाँ।

लेकिन आमतौर पर, यह केवल व्यक्तिगत सर्वनामों का उपयोग करता है। यहाँ, आप आज मेरे साथ मध्यवर्ती स्वर्ग में होंगे। विश्वासियों को मध्यवर्ती स्वर्ग का अनुभव होता है।

प्रकाशितवाक्य 6-9 एक ऐसा स्थान है जहाँ इस संबंध में आत्मा शब्द का उपयोग किया गया है। जब उसने पाँचवीं मुहर, यानी मेघों को खोला, तो मैंने वेदी के नीचे उन लोगों की आत्माओं को

देखा जो परमेश्वर के वचन और उनके द्वारा दी गई गवाही के लिए मारे गए थे। वे प्रतिशोध के लिए चिल्ला रहे थे।

अभी पुनरुत्थान का समय नहीं आया है। यह मध्यवर्ती अवस्था है, और जॉन आत्माओं को देखता है। वह शहीदों, विश्वासियों के अमूर्त भागों को देखने में असमर्थ था, जो प्रभु के लिए मर गए थे।

इसमें आत्मा शब्द का प्रयोग किया गया है। इब्रानियों 12:23 में उसी वास्तविकता को संदर्भित करने के लिए आत्मा शब्द का प्रयोग किया गया है। पुराने और नए नियम, सिनाई अनुभव और नई वाचा के साथ व्यवस्था दिए जाने की तुलना करें।

तुम सिव्योन पर्वत पर, पद 22, जीवित परमेश्वर के नगर, स्वर्गीय यरूशलेम, और उत्सव में एकत्रित असंख्य स्वर्गदूतों, स्वर्ग में नामांकित ज्येष्ठों की सभा, परमेश्वर, सब के न्यायी, और सिद्ध किए गए धर्मी लोगों की आत्माओं, और यीशु, नई वाचा के मध्यस्थ, और छिड़के गए लहू के पास आए हो जो हाबिल के लहू से बेहतर वचन बोलता है। तुम सिद्ध किए गए धर्मी लोगों की आत्माओं के पास आते हो। प्रकाशितवाक्य 6-9, आत्माएँ।

इब्रानियों 12:23, आत्माएँ। लेकिन फिर भी, आत्माएँ और आत्माओं का उपयोग इसके लिए किया जाता है। हमारे पास शरीर और भौतिक अंग हैं।

हमारे पास अमूर्त अंग हैं, जिन्हें कभी आत्मा कहा जाता है, कभी आत्मा। क्या मुझे लगता है कि हम कभी-कभी शास्त्रों में उन्हें अलग कर सकते हैं? हाँ। क्या मुझे लगता है कि वे हमारे निर्माण के अलग-अलग हिस्से हैं? नहीं।

मुझे नहीं लगता कि आप यह दिखा सकते हैं। और अगर आप ऐसा कर भी सकते हैं, तो बाइबल इस बारे में कुछ नहीं कहती, इसलिए हमें इस मामले में सावधान रहना चाहिए। मैं आपको बताऊँगा कि सामान्य स्थिति क्या है, हालाँकि, शरीर और आत्मा एक साथ होते हैं।

आदम और हव्वा को इसी तरह बनाया गया था। हम अभी भी ऐसे ही हैं। और हम हमेशा ऐसे ही रहेंगे।

बाइबल की कहानी और धर्मशास्त्रीय नृविज्ञान के दृष्टिकोण से, मध्यवर्ती अवस्था में देहविहीन आध्यात्मिक अस्तित्व असामान्य और अस्थायी है। अपने शरीर से बाहर होना सामान्य नहीं है। लेकिन यह मौजूद है।

और फिलिप्पियों 1:23 के अनुसार, यह किसी न किसी अर्थ में शरीर में जीवित रहने से बेहतर है। यह किस बारे में बात कर रहा है? पॉल इस पर विचार कर रहा है। वह जेल में है।

वह इस बात पर विचार कर रहा है कि क्या वह प्रभु के पास जाएगा या फिर रिहा होकर प्रभु की सेवा करता रहेगा। वह कहता है, मुझे नहीं पता कि मुझे क्या चुनना चाहिए। दोनों ही विकल्प फायदेमंद हैं।

मैं दोनों के बीच में उलझा हुआ हूँ। मेरी इच्छा है कि मैं चला जाऊँ और मसीह के साथ रहूँ, क्योंकि यह कहीं बेहतर है। लेकिन तुम्हारे लिए शरीर में रहना ज़्यादा ज़रूरी है।

इस बात से आश्चस्त होकर, मैं जानता हूँ कि मैं आप सभी के साथ रहूँगा और विश्वास में आपकी प्रगति और आनन्द के लिए आगे बढ़ूँगा ताकि मेरे द्वारा आपके पास फिर से आने के कारण मसीह यीशु में महिमा करने का पर्याप्त कारण हो। शरीर से अनुपस्थित होना, क्षमा करें, शरीर, इस जीवन को छोड़ना और मसीह के साथ रहना, वह कहीं बेहतर कहता है। मैं चाहता हूँ कि आप अब जूनियर हाई स्कूल को याद करें।

विशेषणों की डिग्री। सकारात्मक, यही वह है जिसे हम भूल जाते हैं। तुलनात्मक, अतिशयोक्तिपूर्ण।

अच्छा, बेहतर, सबसे अच्छा। यदि मध्यवर्ती अवस्था में प्रभु के साथ रहना बेहतर है, तो अब हमारे शरीर में प्रभु को जानना अच्छा है। नश्वर शरीर में अनन्त जीवन प्राप्त करना, रोमियों 8। यह विकल्प से बेहतर है, नश्वर शरीर में अनन्त जीवन न होना, खो जाना।

लेकिन पॉल कहते हैं कि मसीह के साथ रहना और भी बेहतर है। ऐसा कैसे हो सकता है? अपने शरीर से असामान्य रूप से अलग होना कैसे बेहतर हो सकता है? यह एक अच्छा सवाल है। इसके दो जवाब हैं।

इब्रानियों 12:23 के अनुसार, आत्मिक सिंघुन पर्वत पर आना, स्वर्ग में आना, मध्यवर्ती स्वर्ग का अर्थ है सिद्ध किए गए धर्मी पुरुषों की आत्माओं के पास आना। मध्यवर्ती अवस्था में, पाप अतीत की बात हो जाएगी। हम अपने शरीर के बिना होंगे।

लेकिन क्या आप कभी भी किसी पापपूर्ण विचार के बारे में न सोचने की कल्पना कर सकते हैं? कभी भी कोई पापपूर्ण शब्द न कहें। कभी भी कोई पापपूर्ण कार्य न करें। मैं ईमानदारी से कहूँगा, मैं ऐसा नहीं कर सकता।

लेकिन बहुत समय पहले, मैंने तय किया कि मेरी कल्पना मेरा सिद्धांत नहीं है। बाइबल मेरा सिद्धांत है। मैं वास्तव में शुरुआत या अंत की कल्पना नहीं कर सकता।

यह ठीक है। यह बिलकुल ठीक है। मैं अपनी कल्पना के विरुद्ध या अपनी कल्पना की कमी के बावजूद बाइबल पर विश्वास करता हूँ।

ध्यान दें कि कैसे व्यक्तिगत सर्वनामों का उपयोग फिर से मध्यवर्ती अवस्था के लिए किया जाता है। लूका 23, आज तुम मेरे साथ स्वर्ग में रहोगे। यहाँ, मैं जाना चाहता हूँ और मसीह के साथ रहना चाहता हूँ क्योंकि यह अभी जीवित रहने और मसीह के लिए जीने, मसीह को जानने से कहीं बेहतर है।

मध्यवर्ती धन्य अस्तित्व के लिए आत्मा या आत्मा शब्दों से भी अधिक सामान्य रूप से सर्वनामों का उपयोग व्यक्तित्व की निरंतरता, व्यक्तित्व की बात करता है। हम अपने शरीर के बिना भी अस्तित्व में रह सकते हैं। यह असामान्य है।

यह अस्थायी है। लेकिन हम कर सकते हैं। जो लोग नश्वरता में विश्वास करते हैं, उनका मानना है कि जब आप मर जाते हैं, तो वह आपका अंत होता है।

कुछ ईसाई इस बात पर विश्वास करते हैं, और फिर वे अंत में शरीर से पुनरुत्थान, अंत में शरीर के पुनरुत्थान पर विश्वास करते हैं। मुझे लगता है कि उन्हें व्यक्तित्व की निरंतरता के साथ समस्या है। लेकिन मध्यवर्ती अस्तित्व, जिसके द्वारा लोगों के बिना उनके शरीर के लिए समान व्यक्तिगत सर्वनामों का उपयोग किया जाता है, व्यक्तित्व की निरंतरता और हमारे व्यक्ति होने, व्यक्तित्व की निरंतरता की ओर जाता है।

शायद विश्वासियों की मध्यवर्ती अवस्था पर सबसे बढ़िया अंश 2 कुरिन्थियों 5 है। मैंने इस अंश में सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया है, और इस बारे में बहस चल रही है कि क्या हो रहा है, लेकिन यह मेरे लिए वास्तव में स्पष्ट है। तो, 2 कुरिन्थियों 5:6 इसलिए हम हमेशा अच्छे साहस के साथ रहते हैं। हम जानते हैं कि जब तक हम शरीर में घर पर हैं, व्यक्तिगत सर्वनाम फिर से, हम प्रभु से दूर हैं।

क्योंकि हम विश्वास से चलते हैं, न कि रूप को देखकर। हम प्रभु को देख नहीं सकते। 1 पतरस 1 में दो बार ऐसा कहा गया है।

हम अभी यीशु को नहीं देख सकते। हाँ, हम हिम्मत रखते हैं, और हम शरीर से दूर रहना और प्रभु के साथ घर में रहना पसंद करेंगे। यह एक मध्यवर्ती या अंतरिम अस्तित्व में बिना शरीर के मानव प्राणियों के निरंतर अस्तित्व की स्पष्ट शिक्षा प्रतीत होती है।

इसलिए, चाहे हम घर पर हों या बाहर, हम उसे प्रसन्न करना अपना लक्ष्य बनाते हैं। हम सभी को मसीह की न्यायपीठ के सामने उपस्थित होना चाहिए ताकि प्रत्येक व्यक्ति को उसके द्वारा शरीर में किए गए अच्छे या बुरे कार्यों के लिए उसका हक मिले। पवित्रशास्त्र विश्वासियों के लिए मध्यवर्ती अवस्था सिखाता है।

मैं स्पष्ट होना चाहता हूँ। यह इसकी शिक्षा देता है। मुझे आशा है कि ईसाई अंतिम संस्कारों में आस्था रखने वाले पादरियों द्वारा इसकी उपस्थिति महसूस की जाती है, लेकिन यह मुख्य ईसाई आशा नहीं है।

हम इस सच्चाई को स्वीकार करते हैं। हम अंत्येष्टि में दुखी होते हैं, और फिर भी हम अंत्येष्टि में कड़वे-मीठे अनुभव करते हैं क्योंकि हमारा दिवंगत भाई या बहन प्रभु के साथ है। वे पाप रहित हैं और वे इन सभी घटनाओं में प्रभु के साथ हैं।

लूका 23, तुम मेरे साथ स्वर्ग में रहोगे। फिलिप्पियों 1 मैं जाना चाहता हूँ और मसीह के साथ रहना चाहता हूँ। यह बहुत बेहतर है।

2 कुरिन्थियों 5:8 शरीर से दूर रहना प्रभु के साथ उपस्थित होना है। यह मसीह की उपस्थिति है। महिमा में मसीह की तत्काल उपस्थिति वर्तमान की तुलना में मध्यवर्ती अवस्था को कहीं बेहतर बनाती है।

लेकिन यह सबसे अच्छा नहीं है। जूनियर हाई स्कूल की बातें फिर से याद करो। अच्छा है।

बेहतर। सर्वोत्तम। सर्वोत्तम है अपने शरीर के साथ पुनः जुड़ना।

मृतकों में से पुनर्जीवित होना। पूरी तरह से पवित्र होना। ईश्वर द्वारा बाहरी रूप से अपनाया जाना, सबसे बड़ा आलिंगन जो आपने कभी देखा होगा।

और आगे भी। मनुष्यों और स्वर्गदूतों के सामने न्यायोचित। वैसे भी, आप मोक्ष की कल्पना कर सकते हैं।

यीशु द्वारा बुलाया गया, " मेरे पिता के आशीषित लोगों, आओ। उस राज्य को प्राप्त करो जो जगत की रचना से पहले तुम्हारे लिए तैयार किया गया था।" मत्ती 25.

भेड़ें और बकरियाँ। शायद यह श्लोक 34 है - कुछ ऐसा ही।

यह सबसे अच्छा है। यह सबसे अच्छा नहीं है। यहां तक कि मध्यवर्ती अवस्था भी सबसे अच्छी नहीं है।

इसलिए, मैं इस मध्यवर्ती अवस्था के मामले को शरीर के पुनरुत्थान के बड़े संदर्भ में रखना चाहता हूँ। अविश्वासियों के लिए मध्यवर्ती अवस्था के बारे में क्या? अगर बाइबल धर्मशास्त्रीय पद्धति में एक छोटा सा पाठ है। अगर बाइबल ने इसके बारे में कुछ नहीं कहा।

मैं कहूँगा कि बाइबल इस बारे में कुछ नहीं कहती। इसलिए, मैं सावधानीपूर्वक व्यवस्थित करने जा रहा हूँ और जो हम जानते हैं उसके आधार पर अनुमान लगा रहा हूँ। मैं कहूँगा कि, संभवतः, अविश्वासियों का अमूर्त हिस्सा मृत्यु के समय उनके शरीर से अलग हो जाता है, और वे एक मध्यवर्ती न्याय के लिए जाते हैं।

एक मध्यवर्ती नरक। हमें अटकलें लगाने की ज़रूरत नहीं है। अमीर आदमी और लाज़र का दृष्टांत यही सिखाता है।

लूका 23. यह एक और अंश है जो धर्मी लोगों की मध्यवर्ती अवस्था के बारे में सिखाता है। वास्तव में, यह बचाए गए और बचाए नहीं गए दोनों की मध्यवर्ती अवस्थाओं के बारे में सिखाता है।

ध्यान दें कि यह मध्यवर्ती अवस्था है, अंतिम अवस्था नहीं। मैंने ऐसी किताबें पढ़ी हैं जिनमें दावा किया गया है कि यह अंतिम अवस्था है। यह गलत है।

ओह, हम इनमें से कुछ सिद्धांतों का उपयोग अंतिम स्थिति को समझने के लिए कर सकते हैं, लेकिन यह सही नहीं है। लूका 16:19 और 31. यह एक दृष्टांत नहीं है क्योंकि इसमें एक नाम का उपयोग किया गया है।

मुझे यकीन नहीं है कि यह सिद्धांत कहां से आया है, लेकिन यह गलत है क्योंकि इसमें सभी जगह परवलयिक विशेषताएं लिखी हुई हैं। लूका 16:19 19 अभी भी लूका 16:19 से 31 तक नहीं पहुंच सकता है एक धनी व्यक्ति था जो बैंगनी और बढ़िया मलमल के कपड़े पहनता था और हर दिन शानदार दावतें करता था।

उसके द्वार पर एक गरीब आदमी को लिटाया गया था जिसका नाम संभवतः खुद वहाँ तक नहीं पहुँच सकता था, जिसका नाम लाजर था, जो मरियम और मार्था का भाई नहीं था। यह सिर्फ एक और व्यक्ति था और नाम महत्वपूर्ण हो सकता है। इसका मतलब है वह व्यक्ति जिसे भगवान घावों से ढकने में मदद करता है जो अमीर आदमी की मेज से गिरने वाली चीजों से पेट भरना चाहता था। इसके अलावा, कुत्ते भी आकर उसके घावों को चाटते थे।

यह अच्छी बात नहीं है। ये छोटे फ्रेंच पूडल या घरेलू कुत्ते नहीं हैं। ये जंगली जानवर हैं।

गरीब आदमी मर गया और स्वर्गदूतों ने उसे अब्राहम की गोद में उठा लिया। अमीर आदमी भी मर गया और उसे दफ़ना दिया गया। और अधोलोक में, जो कि यूनानी शब्द है, पीड़ा में था, उसने अपनी आँखें उठाईं और अब्राहम को दूर, और लाजर को उसकी गोद में देखा।

क्षमा करें। और उसने पिता अब्राहम को पुकारा, मुझ पर दया करो और लाजर को भेजो कि वह अपनी उंगली का सिरा पानी में डुबोए और मेरी जीभ को ठंडा करे, क्योंकि मैं इस ज्वाला में तड़प रहा हूँ। लेकिन अब्राहम ने कहा, बच्चे, याद रखो कि तुमने अपने जीवनकाल में अपनी अच्छी चीजें प्राप्त कीं और लाजर ने भी इसी तरह बुरी चीजें प्राप्त कीं।

लेकिन अब वह यहाँ आराम से है, और तुम पीड़ा में हो। और इन सबके अलावा हमारे और तुम्हारे बीच एक बहुत बड़ी खाई बना दी गई है ताकि जो लोग यहाँ से तुम्हारे पास आए, वे न आ सकें। और कोई भी वहाँ से हमारे पास न आ सके।

उसने कहा, "तो फिर हे पिता, मैं तुझ से विनती करता हूँ, कि उसे मेरे पिता के घर भेज, क्योंकि मेरे पांच भाई हैं, कि वह उन्हें चितावनी दे, ऐसा न हो कि वे भी इस पीड़ा की जगह में आएँ। परन्तु इब्राहीम ने कहा, उनके पास मूसा और भविष्यद्वक्ता हैं। वे उनकी सुनें।"

उस मनुष्य ने कहा, नहीं, हे पिता इब्राहीम, परन्तु यदि कोई मरे हुआओं में से उनके पास जाए, तो वे मन फिराएँगे। उस ने उस से कहा, कि जब वे मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की नहीं सुनते, तो यदि कोई मरे हुआओं में से जी उठे, तो भी उसकी प्रतीति न करेंगे।

यह एक शक्तिशाली अंश है। यह एक दृष्टांत है। मुझे नहीं पता कि किसने कहा कि दृष्टांत सिद्धांत नहीं सिखा सकते।

मुझे नहीं पता कि यह किसने बनाया, लेकिन यह सच नहीं है। हमें सावधान रहना होगा। चर्च के पादरियों ने दृष्टांतों को बहुत ही भयानक रूप से रूपक के रूप में प्रस्तुत किया।

एक फ्रांसीसी, जर्मन, उदारवादी न्यू टेस्टामेंट विद्वान, एडोल्फ जू लिचर ने दृष्टांतों पर अपनी पुस्तकों में बहुत प्रगति की। लेकिन उन्होंने रूपक नहीं बनाया। लेकिन उनका यह सिद्धांत कि प्रत्येक दृष्टांत में केवल एक ही बिंदु होता है, बाइबल से भी मेल नहीं खाता।

यह संभव है कि कुछ दृष्टांतों में सिर्फ एक ही बात हो। लेकिन यह दृष्टांतों की व्याख्या से तय होता है। उनमें दो या तीन या उससे ज़्यादा बातें हो सकती हैं।

दृष्टांतों पर एक अच्छी किताब है। इसमें कहा गया है कि प्रत्येक दृष्टांत, प्रत्येक आकृति, दृष्टांत में एक प्रमुख आकृति के लिए एक प्रमुख बिंदु है। किसी भी मामले में, यहाँ हमारे पास बचाए गए और खोए हुए दोनों की मध्यवर्ती स्थिति है।

हम जानते हैं कि अमीर आदमी बचा नहीं था। वह चाहता है, वह आग में है। नरक के अंशों में, आग पीड़ा और दंड की बात करती है।

मैं इन लपटों में तड़प रहा हूँ, वह कहता है। और वह चाहता है कि पिता अब्राहम, जो दृष्टांत में ईश्वर का रूप है, मृतकों में से किसी को भेजे ताकि वह उसके भाइयों को चेतावनी दे ताकि वे उस यातना के स्थान पर न आँ। लाजर, निहितार्थ से, एक आस्तिक है।

उसके नाम का मतलब है वह जिसकी मदद ईश्वर करता है। और इस जीवन में, उसका अस्तित्व बहुत भयानक था। लेकिन वह मर गया और अब्राहम के पास चला गया।

नियमों के बीच, यह मध्यवर्ती स्वर्ग को देखने का एक तरीका है। अब्राहम की गोद या अब्राहम का पक्ष। पिता अब्राहम के साथ होने का मतलब था आनंद में होना और स्वर्ग में होना।

अमीर आदमी मर जाता है और पाताल लोक में चला जाता है। यह शब्द है हेडीस, नए नियम में हेडीस। आमतौर पर इसका मतलब कब्र होता है।

यहाँ, इसका मतलब मध्यवर्ती नरक है। यह केवल संदर्भ द्वारा तय किया जाता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में मृत्यु और अधोलोक एक साथ चलते हैं।

यह हेंडियाडिस का उदाहरण है, जिसका शाब्दिक अर्थ ग्रीक में एक से दो है। यानी एक अवधारणा जिसके साथ दो अभिव्यक्तियाँ जुड़ी हुई हैं। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में मृत्यु और अधोलोक का अर्थ मृत्यु और कब्र है।

यहाँ, इसका उपयोग मध्यवर्ती नरक के लिए किया गया है। और वह पीड़ा में है। आपको क्यों यकीन है कि यह एक दृष्टांत है? क्योंकि इसमें परवल्यिक विशेषताएँ प्रचुर मात्रा में हैं।

अब्राहम नरक का स्वामी नहीं है। नरक में रहने वाले लोग स्वर्ग के स्वामी हैं, मुझे खेद है, परलोक के स्वामी हैं। नरक में रहने वाले लोग स्वर्ग में रहने वाले लोगों से बात नहीं कर पाएँगे।

और यह इसी तरह आगे बढ़ता जाता है। यह कुछ सत्य सिखाने के लिए एक दृष्टांत है। अर्थात्, मुख्य बिंदु, वास्तव में, अंतिम तनाव के सिद्धांत के कारण, यह है कि पवित्रशास्त्र हमें परमेश्वर और परमेश्वर के मामलों के बारे में सिखाने के लिए पर्याप्त है।

और मूसा और भविष्यद्वक्ता, बेशक, पुराने नियम के पक्ष में हैं। और परमेश्वर के वचन को अस्वीकार करना, आप खो गए हैं। बाइबल पर्याप्त है।

बेशक, अगर कोई मरे हुआओं में से जी भी उठता है, तो भी व्यापार विडंबनापूर्ण है क्योंकि जब ल्यूक ने लिखा, तो यीशु मरे हुआओं में से जी उठे थे। और सभी यहूदी इस वजह से विश्वास नहीं करते। इसलिए यहाँ हमारे पास लाज़र है, वह व्यक्ति जिसकी परमेश्वर मदद करता है, जो अब्राहम की गोद में है और एक मध्यवर्ती स्वर्ग में है।

और यहाँ हमारे पास खोया हुआ, निर्दयी, अमीर आदमी है जिसने लाज़रस के बारे में कोई विचार नहीं किया, जिसकी दुनिया उससे पूरी तरह अलग थी। उसके द्वार ने उस आदमी को काट दिया। लाज़रस को नैपकिन के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले रोटी के टुकड़ों को कुत्तों के लिए फर्श पर फेंकना अच्छा लगता।

उसे इनमें से कुछ खाने को मिलता तो बहुत अच्छा लगता। उसके पास खाने को कुछ नहीं था, लेकिन उसे पूरी तरह भुला दिया गया था। वह कोई नहीं था।

अमीर आदमी द्वारा हाशिए पर धकेल दिए जाने से भी बदतर। अमीर आदमी पीड़ा में है। वह आग में है।

और उनके बीच एक बहुत बड़ी खाई है। अब, सिर्फ एक दरवाज़ा नहीं है। अब, स्वर्ग और नर्क के बीच एक खाई है।

एक और विशेषता है परवल्यिक विशेषता, जो कई इंजीलवादियों के विपरीत है। मुझे इस पर दुख होता है। मोक्ष के लिए मृत्यु के बाद एक मौका सिखाना।

यह सच नहीं है। स्वर्ग और नर्क के बीच एक खाई है। कोई एक जगह से दूसरी जगह नहीं जा सकता।

यहाँ एक और जगह है जो धर्मी लोगों की मध्यवर्ती अवस्था के बारे में सिखाती है। और अधर्मी लोगों की मध्यवर्ती अवस्था के बारे में सिखाने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है जो मुझे मिली है।

एक और, और मुझे लगता है कि यह सच है, 2 पतरस 2:9 है। हम इसे समाप्त करेंगे और अपने अगले व्याख्यान में अमरता, अमरता, अनैतिकता नहीं, और अच्छे दुःख के विषय पर आगे बढ़ेंगे। दूसरा तीमुथियुस। 2 पतरस 2:9। प्रभु झूठे भविष्यद्वक्ताओं की निंदा कर रहे हैं।

पद चार: यदि प्रभु ने पाप करने वाले स्वर्गदूतों को नहीं छोड़ा, बल्कि उन्हें नरक में डाल दिया और उन्हें न्याय तक अंधकारमय जंजीरों में जकड़ दिया। यदि उसने प्राचीन दुनिया को नहीं छोड़ा, बल्कि नूह को बचाया, जो सात अन्य लोगों के साथ धार्मिकता का संदेशवाहक था, जब उसने दुष्टों की दुनिया पर जलप्रलय लाया। और यदि उसने सदोम और अमोरा के शहरों को राख में बदल दिया, तो उन्हें नष्ट कर दिया, उन्हें दुष्ट बना दिया, जो कि दुष्टों के साथ क्या होने वाला है, इसका एक उदाहरण है।

और अगर उसने धर्मी लोगों को बचाया। फिर, नौवें श्लोक में, प्रभु जानता है कि कैसे धर्मी लोगों को परीक्षणों से बचाया जाए और अधर्मियों को न्याय के दिन तक दंड के अधीन रखा जाए, खासकर उन लोगों को जो वासना को दूषित करने की वासना में लिप्त हैं और अधिकार को तुच्छ समझते हैं, झूठे भविष्यद्वक्ताओं और उनके अपने जीवन और उनके परिणामों के बारे में बात कर रहे हैं, मैं उन्हें सेवकाई कहने की हिम्मत करता हूँ। प्रभु जानता है कि अपने लोगों को कैसे बचाना है।

और वह जानता है कि नौवीं आयत किस तरह अधर्मियों को न्याय के दिन तक सज़ा के अधीन रखती है। न्याय का दिन। शब्दकोश कहता है कि यह अंतिम न्याय का दिन है और इस स्थान को सूचीबद्ध करता है।

दूसरा पतरस दो नौ। न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड बाइबल न्याय के दिन के लिए अधर्मियों को दंड के अधीन रखना। और मैं न्याय के दिन के लिए अधर्मियों को पकड़ कर उनकी सजा जारी रखूँगा।

और मैंने ESV से पढ़ा। मैं नहीं, क्योंकि यह मेरे दिमाग में उतना स्पष्ट नहीं है, लेकिन मुझे विश्वास है कि यह दूसरा मार्ग है जो सिखाता है कि जब अविश्वासी मरते हैं, तो उनके अमूर्त अंग प्रभु के पास नहीं होते। वे एक मध्यवर्ती नरक में जाते हैं, और वे ईश्वर की सजा भुगतते हैं, शरीर के पुनरुत्थान और अनन्त निंदा के लिए उनके समर्पण की प्रतीक्षा करते हैं।

इस प्रकार अंतिम बातों का हमारा अध्ययन शुरू होता है, और भगवान की इच्छा से, हमारे अगले व्याख्यान में, हम अमरता से शुरू होने वाले मामलों के बारे में बात करेंगे और फिर मसीह के दूसरे आगमन पर आगे बढ़ेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च और अंतिम बातों के सिद्धांतों पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 12 है, मृत्यु और मध्यवर्ती अवस्था।